पांच कंपनियों से 9664 करोड़ के एमओयू

निवेश से 6800 युवाओं को मिलेगा रोजगार

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में रियल एस्टेट, केमिकल, हेल्थ केयर, निर्माण और कृषि क्षेत्र में बड़ा निवेश होने जा रहा है। इस सेक्टर में नीदरलैंड और फ्रांस की पांच बहुराष्ट्रीय कंपनियां 9664 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। इस निवेश के धरातल पर उतरने पर प्रदेश के 6800 युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इसी तरह ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 72 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के एमओयू फाइनल कर दिए हैं। प्राधिकरण को सरकार ने एक लाख करोड़ का लक्ष्य दिया था।

यूपी में निवेश की नीतियां सहज : कोलकाता में रोड शो के दौरान औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने योगी सरकार की निवेश नीतियों को सहज बताते हुए उद्योगपतियों को निवेश के लिए आमंत्रित किया। मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि यूपी की नीति और माहौल सबसे बढ़िया है। इसलिए हम आप सभी को बड़े बाजार में आमंत्रित कर रहे हैं। रोड शो में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, आईटी राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज सिंह, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम, यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी, सचिव एमएसएमई प्रांजल यादव भी मौजूद रहे।

प्लाईवुड सेक्टर में करेंगे बड़ा निवेश

सेंचुरी प्लाई बोइर्स लिमिटेड के चेयरमैन सज्जन भजनका ने कहा कि वे यूपी की कृषि बानिकी, बड़े उपभोक्ता बाजार, बेहतर बुनियादी ढांचे और बेहतर कानून व्यवस्था से प्लाईवुड और उससे जुड़ी उत्पादन परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर निवेश करने जा रहे हैं।

तेजी से बढ़ता बाजार

बर्जर पेंट्स के एमडी और सीईओ अभिजीत रॉय ने यूपी के अनुकूल पारिस्थितिक तंत्र की प्रशंसा की। उन्होंने यूपी को आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ सबसे तेजी से बढ़ता बाजार बताया। इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रयासों को सराहा।

अफसरों ने यूपी की बताईं खासियत

कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने उद्योगपतियों को यूपी के मजबूत ढांचागत विकास की जानकारी दी। पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने इंको टूरिज्म और यूपीसीडा के सीईओ मयूर महेश्वरी ने राज्य के निवेशक अनुकूल ढांचे के बारे में बताया। सीआईआई अध्यक्ष प्रशांत शर्मा ने कहा कि यूपी तेजी से उभरता राज्य है।

खाद्य प्रसंस्करण के लिए स्थापित करेंगे संयंत्र

बालाजी वेफर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्याम बिरानी ने कहा कि बालाजी वेफर्स जल्द ही यूपी में एक एकीकृत खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। यूपी एक बड़ा बाजार है। यहां की औद्योगिक नीतियों से व्यापार करने में हो रही आसानी और सुविधाओं की प्रशंसा की।

बेजोड़ हैं यूपी की ढांचागत सुविधाएं : नंदी

रोड शो में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि जब से सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी की कमान संभाली है, तब से यह उत्तम प्रदेश बना है और अब सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। यहां की ढांचागत सुविधाएं बेजोड़ हैं।

दो वैश्विक कार्यक्रमों से बनेगा रिकॉर्ड, छह दिन अलग ही रौनक

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश 10 से 15 फरवरी तक देश ही नहीं दुनिया भर में भी सुर्खियों में होगा। इस दौरान 10 से 12 फरवरी तक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 और 11 व 12 फरवरी को जी-20 समिट की आगरा बैठक जैसे दो बड़े आयोजन कर प्रदेश रिकॉर्ड बनाएगा। वहीं, 13 से 15 फरवरी तक लखनऊ में जी-20 समिट की डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक होगी। इसमें 19 देशों के 150 से अधिक मेहमान आएंगे। ऐसे में इन आयोजनों से जुड़े अधिकारियों की परेशानी बढ़ गई है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और जी-20 की आगरा समिट एक साथ ही होंगे

सरकार का पूरा फोकस जीआईएस पर, जी-20 की मेजबानी भी निभानी होगी

राज्य सरकार का पूरा फोकस जीआईएस-2023 में 20 लाख करोड़ से अधिक का निवेश जुटाकर कीर्तिमान स्थापित करने का है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी जी-20 की मेजबानी को निभाना भी राज्य सरकार के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने पहले जी-20 समिट की आगरा बैठक के लिए 8-9 फरवरी की तारीख निर्धारित किया था। हालांकि बाद में इसे बदलकर 11-12 फरवरी कर दिया गया। उधर, योगी सरकार ने 10 से 12 फरवरी तक लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन रखा है।

जी-20 और जीआईएस दोनों के आयोजन में नगर विकास, गृह, सूचना एवं प्रौद्योगिकी सहित सभी विभागों की कोई न कोई भूमिका है। सरकार के मंत्री और शासन के आला अफसरों के पास भी दोनों आयोजन की जिम्मेदारी है। पर, दोनों आयोजन एक ही साथ होने से अफसरों और कर्मचारियों की परेशानी बढ़ी हुई है।

सजाए जाएंगे सरकारी भवन

लखनऊ में 10 से 15 फरवरी तक अलग ही रौनक रहेगी। इस दौरान लखनऊ के प्रवेश द्वारों से लेकर प्रमुख मार्ग, बाजार, सरकारी भवन और चौराहों पर आकर्षक रोशनी होगी। होर्डिंग लगेंगे और फूलों से सजाया जाएगा। 10 से 12 फरवरी तक लखनऊ में जीआईएस में डेढ़ दर्जन से अधिक देशों के उद्यमी, निवेशकों और भारतीय औद्योगिक जगत की हस्तियां मौजूद रहेंगी। वहीं, 13 से 15 फरवरी तक जी-20 समिट की डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक में 19 देशों के 150 से अधिक मेहमान आएंगे।